

**मुकना** अ.कृ. (तद्.) 1. मुक्त होना 2. खत्म या समाप्त होना।

**मुकफ़ल** वि. (अर.) जिसमें कुफ़ल पड़ा हो, यंत्रित, जैसे- मुकफ़ल संदूक।

**मुकम्मल** वि. (अर.) 1. संपूर्ण, सर्वांगपूर्ण 2. समाप्त, खत्म।

**मुकर** पुं. (तद्.) 1. मुकुर, दर्पण, शीशा, आइना 2. मौलसिरी 3. मोतिया 4. बेर 5. कली 6. वह डंडा जिससे कुम्हार चाक चलाता है (देश.) कहे हुए से इंकार करना जैसे- वह अपनी बात से मुकर गया।

**मुकरना** अ.क्रि. (देश.) कहे या किए हुए से इंकार करना जैसे-कहकर मुकरना तो उसकी पुरानी आदत है (तद्.) मुक्त होना, छूटना।

**मुकरानी** स्त्री. (तत्.) काव्य. वह कविता जिसमें पहले कही हुई बात का अंत में खंडन सा किया जाए, मुकरी।

**मुकरवा** वि. (देश.) 1. अपनी कही हुई बात से मुकरने वाला 2. अपनी बात पर दृढ़ न रहने वाला।

**मुकरा** वि. (देश.) 1. वह जो कोई बात कहकर उससे मुकर जाता हो 2. अपनी बात पर दृढ़ न रहने वाला।

**मुकराना** स.क्रि. (देश.) 1. मुक्त कराना 2. मुकरने में प्रवृत्त करना।

**मुकरावन** वि. (तद्.) 1. मुक्त कराने या छुड़ाने वाला 2. मुक्ति या मोक्ष दिलाने वाला।

**मुकरी** स्त्री. (तत्.) काव्य. वह कविता जिसमें पहले कही हुई बात का अंत में खंडन सा किया जाए, पहली जैसे कविता।

**मुकर्रम** वि. (अर.) प्रतिष्ठित, पूज्य, सम्मानित।

**मुकर्रर** वि. (अर.) 1. नियत, निश्चित, अवश्य 2. नियुक्त 3. दुहराया हुआ, कहा हुआ 4. दोबारा, फिर से कहना।

**मुकररी** स्त्री. (अर.) 1. नियुक्ति 2. निश्चित किया गया वेतन या राजस्व 2. मालगुजारी या लगान 4. मुकर्रर होने की अवस्था या भाव।

**मुकल** पुं. (तत्.) 1. अमलतास 2. गुग्गुल।

**मुकलाउ** वि. (देश.) मुकलाने या मुक्त कराने वाला, मुकलावा या द्विरागमन, गौना कराना।

**मुकलाना** स.क्रि. (तत्.) खोलना।

**मुकलावा** पुं. (तत्.) गौना, द्विरागमन, विवाह के पश्चात् पति का पहले-पहल अपनी पत्नी को उसके मायके से अपने घर ले जाने की रसम।

**मुकव्वी** वि. (अर.) शक्ति देने वाला, बलवर्धक, कामशक्ति बढ़ाने वाला, कामवर्धक, पुष्टिकर।

**मुकाना** स.क्रि. (तत्.) 1. मुक्त कराना, छुड़ाना 2. खत्म या समाप्त करना।

**मुकाबला** पुं. (अर.) 1. आमना-सामना होना 2. किसी वस्तु या भाव का विरोध या होड़ 3. प्रतिलिपि और मूल पुस्तक के मध्य मिलान करना 4. बराबरी, समानता 5. तुलनात्मक परीक्षण मुहा. मुकाबले में आना- सामना करना, प्रतिद्वंद्वी बनना; मुकाबले में होना- समान का बराबर होना।

**मुकाबा** पुं. (देश.) पुराने समय से प्रचलित एक विशेष प्रकार का शृंगारदान जिसमें कंधी, शीशा, सुरमा, मिस्सी आदि रखे जाते हैं।

**मुकाबिल** वि. (अर.) 1. सामने वाला 2. समान या बराबर पुं. 1. शत्रु या प्रतिद्वंद्वी 2. विरोधी 3. सम्मुख या सामने।

**मुकाम** पुं. (अर.) 1. स्थान या जगह 2. ठहरने का स्थान, पड़ाव या डेरा 3. ठहराव, विराम 4. रहने की जगह, घर, गृह मुहा. मुकाम करना- ठहरना।

**मुकामी** वि. (अर.) 1. मुकाम से संबंध रखने वाला 2. स्थानीय, प्रादेशिक।

**मुकियाना** स.क्रि. (अर.) हल्के-हल्के मुक्के लगाकर शरीर में होने वाली पीड़ा को दूर करना।

**मुकिर/मुकिर** वि. (अर.) 1. इजहार करने वाला, स्वीकार करने वाला 2. कागजात या दस्तावेज लिखने वाला मुहा. मुकिर होना- स्वीकार या इजहार करना।

**मुकीम** वि. (अर.) 1. मुकाम से संबंधित 2. चलते-चलते बीच राह में रुकने वाला 3. किसी स्थान पर मुकाम करने वाला 4. यात्रा आदि के समय